# 24-02-2023

## अनुच्छेद 356

### समाचार पत्रों में क्यों?

अभी हाल में संसद में प्रधानमन्त्री जी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने 50 बार और कांग्रेस सरकार ने कुल 90 बार अनुच्छेद 356 का दुरूपयोग किया था।

### त्वरित मुद्दा?

- "सत्ता भ्रष्ट करती है और पूर्ण सत्ता पूरी तरह से भ्रष्ट करती है" जॉन एक्टन की यही उक्ति ही शायद भारत के सुप्रीम कोर्ट का निर्णयाधार बनी होगी जब एस आर बोम्मई केस में कहा गया था कि के तहत की जाने वाली राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा एब्सल्यूट पावर नहीं है बल्कि कंडीशनल पावर है। जिसके चलते केंद्रीय राजनीति का हथियार बने अनुच्छेद 356 का दुरूपयोग रोका जा सका।

### ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 की धारा 93 में एक तरह की कंट्रोल्ड डेमोक्रेसी की व्यवस्था की गयी थी। जिसके चलते ब्रिटिश गवर्नमेंट जब चाहे प्रांतों की स्वायत्तता को समाप्त करके अपने तरीके से शासन चला सकती थी।
- उस समय इस शक्ति का एक ही अपवाद था - हाई कोर्ट। जिसकी शक्तियों को गवर्नर नहीं छीन सकता था भले ही परिस्थितियां किसी भी तरह की हो।
- चूँकि आज़ादी के समय भी प्रांतीय स्वायत्तता की लड़ाई अपने चरम सीमा पर थी। देशी रियासतें और पाकिस्तानी मसले के चलते भारत की अखंडता को बनाये रखने के लिए अनुच्छेद 355 में केंद्र को यह जिम्मेदारी दी गयी वह सभी राज्य को बाहरी आक्रमण से बचाये रखेगा और यह सुनिश्चत करेगा कि राज्य अपना शासन संविधान के हिसाब से चलाए।
- अनुच्छेद 356 में केंद्र को यह शक्ति भी दी गयी यदि राज्य में संविधान के हिसाब से शासन न चले, या संवैधानिक विफलता की स्थिति बन जाये, तो राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है।

**सबसे ज्यादा राष्ट्रपति शासन इंदिरा गांधी के समय लगा, दूसरे नंबर पर मोरारजी देसाई**

| प्रधानमंत्री | कार्यकाल | राज्यों में कितनी बार राष्ट्रपति शासन लगा? |
|---|---|---|
| जवाहरलाल नेहरू | 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 | 7 |
| लालबहादुर शास्त्री | 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966 | 1 |
| इंदिरा गांधी | 24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977<br>14 जनवरी 1980 से 31 अक्टूबर 1984 | 51 |
| मोरारजी देसाई | 24 मार्च 1977 से 28 जुलाई 1979 | 17 |
| चरण सिंह | 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 | 4 |
| राजीव गांधी | 31 अक्टूबर 1984 से 2 दिसंबर 1989 | 6 |
| वीपी सिंह | 2 दिसंबर 1989 से 10 नवंबर 1990 | 2 |
| चंद्रशेखर | 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991 | 5 |
| पीवी नरसिम्हा राव | 21 जून 1991 से 16 मई 1996 | 11 |
| अटल बिहारी वाजपेयी | 16 मई 1996 से 1 जून 1996<br>19 मार्च 1998 से 22 मई 2004 | 5 |
| एचडी देवेगौड़ा | 1 जून 1996 से 21 अप्रैल 1997 | 1 |
| इंद्र कुमार गुजराल | 21 अप्रैल 1997 से 19 मार्च 1998 | 0 |
| मनमोहन सिंह | 22 मई 2004 से 26 मई 2014 | 12 |
| नरेंद्र मोदी | 26 मई 2014 से | 10 |

**मोदी के प्रधानमंत्री रहते कब-कब लगा राष्ट्रपति शासन?**

| राज्य | कब से कब तक? |
|---|---|
| महाराष्ट्र | 28 सितंबर 2014 से 31 अक्टूबर 2014 |
| जम्मू-कश्मीर | 9 जनवरी 2015 से 1 मार्च 2015 |
| जम्मू-कश्मीर | 8 जनवरी 2016 से 4 अप्रैल 2016 |
| अरुणाचल प्रदेश | 25 जनवरी 2016 से 19 फरवरी 2016 |
| उत्तराखंड | 27 मार्च 2016 से 21 अप्रैल 2016 |
| उत्तराखंड | 22 अप्रैल 2016 से 11 मई 2016 |
| जम्मू-कश्मीर | 19 जून 2018 से 30 अक्टूबर 2019 |
| जम्मू-कश्मीर | 31 अक्टूबर 2019 से |
| महाराष्ट्र | 12 नवंबर 2019 से 23 नवंबर 2019 |
| पुडुचेरी | 25 फरवरी 2021 से |

- उस समय इस पर संघवाद का विरोधी प्रावधान होने का आरोप भी लगा। जिसके बाद डॉ अम्बेडकर ने इसे "संविधान का मृतपत्र" कहा था यानी संविधान निर्माताओं की अपेक्षा थी कि ऐसा कोई मौका नहीं आएगा जिसमें इसे लागू करना पड़े।
- वैसे इसे भले लोगों का भ्रम मात्र कहा जा सकता है यानी यहाँ फिर से वही बात आएगी कि सत्ता की लालच लोगों को भ्रष्ट कर देती है।
- वो रश्मिरथी की प्रसिद्द लाइन है न, कि "जब नाश मनुज पर छाता है पहले विवेक मर जाता है।" तो भारतीय सत्ताधारियों ने कर्तव्य को शक्ति समझ कर इसका खूब विवेकहीन प्रयोग किया।
- केंद्र में जब कांग्रेस का दबदबा था उस दौरान, अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल राज्यों में वामपंथी और क्षेत्रीय दलों की सरकारों के खिलाफ जमके किया गया।

## अन्य प्रमुख तथ्य?

### सुप्रीम कोर्ट का फैसला

- बहरहाल सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद काफी हद तक अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग पर रोक लग गया, लेकिन अभी भी कभी-कभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर इसके मामले देखने को मिल ही जाते हैं। ऐसे में एक्सपर्ट्स कहते हैं कि न्यायपालिका के उत्तरदायित्व और राज्यपाल की भूमिका में न्यायसंगत, निष्पक्ष एवं कुशलता बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। इसके अलावा इस संदर्भ में सरकारिया आयोग और पुंछी आयोग की सिफारिशों को भी ध्यान में रखा जा सकता है। ये सच है कि भारतीय संविधान के तहत राष्ट्रपति केंद्रीय मंत्रिमंडल की बात मानने के लिए बाध्य होता है, लेकिन अनुच्छेद-356 के दुर्भावनापूर्ण प्रयोग की स्थिति में राष्ट्रपति सस्पेंसिव वीटो का प्रयोग कर सकता है।

- साल 1959 तक, जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने छह बार इस अनुच्छेद का इस्तेमाल किया था। इसी समय 1959 में केरल में दुनिया की पहली निर्वाचित कम्युनिस्ट सरकार को भी हटाया गया था। 1960 के दशक में, इसका 11 बार इस्तेमाल किया गया था। 1966 में इंदिरा गाँधी के सत्ता में आने के बाद 1967 से 1969 के बीच सात बार इस अनुच्छेद का इस्तेमाल किया गया।
- सबसे ज्यादा अशांत राजनीतिक दशक था 1970, जिसमें 1970 से 1974 के बीच 19 बार राष्ट्रपति शासन लगा। आपातकाल के बाद जब जनता पार्टी की सरकार आयी तो उन्होंने 1977 में नौ राज्यों में कांग्रेस सरकार को खारिज करने के लिए इसका इस्तेमाल किया। इसके बाद अब कांग्रेस की बारी थी।
- जब 1980 में इंदिरा गाँधी सत्ता में लौटीं तो उनकी सरकार ने भी नौ राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगा दिया। 1992-93 में प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने यूपी में कल्याण सिंह की सरकार के अलावा, बाबरी मस्जिद विध्वंस के मद्देनजर भाजपा की तीन सरकारों को बर्खास्त कर दिया।
- लगातार जारी रहे इस तानाशाही व्यव्हार पर अंकुश लगा 1994 में। दरअसल 1989 में, केंद्र ने कर्नाटक में एस आर बोम्मई सरकार को बर्खास्त कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जिसमें नौ जजों की बेंच ने मानक सेट किया कि कब राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है और कब नहीं।
- न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 356 के तहत यदि केन्द्र सरकार राज्य में चुनी हुई सरकार को बर्खास्त करती है तो सुप्रीम कोर्ट, सरकार बर्खास्त करने के कारणों की समीक्षा कर सकता है और कोर्ट केंद्र से उस सामग्री को प्रस्तुत करने के लिए भी कह सकता जिसके आधार पर राज्य की सरकार को बर्खास्त किया गया है।

- साथ ही राज्यपालों को यह हिदायत भी दी गई कि 'किसी भी राज्य सरकार को बहुमत है या नहीं है, इसका निर्णय राजभवन में नहीं बल्कि विधानसभा में होना चाहिए।

## संगम युग कीलाडी शहरी सभ्यता

### समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने कीलाडी के संगम-युग स्थल पर खोज और उनके महत्व पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

### त्वरित मुद्दा?

- खुदाई के आठ दौर में, साइट से 18,000 से अधिक कलाकृतियों का पता लगाया गया है। तमिल ब्राह्मी शिलालेख वाले 120 से अधिक ठीकरे पाए गए हैं।

### ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- कीलाडी संगम काल की एक दर्ज है, जिसका उत्खनन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और तमिलनाडु पुरातत्व विभाग द्वारा किया जा रहा है।
- कीलाडी, दक्षिण तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में एक छोटा सा गांव है।
- यह मंदिरों का शहर मदुरै से लगभग 12 किमी दक्षिण-पूर्व में है और वैगई नदी के किनारे स्थित है।
- 2015 से यहां हुई खुदाई से साबित होता है कि संगम युग में वैगई नदी के तट पर एक शहरी सभ्यता विद्यमान थी।
- इस सभ्यता का वर्णन संगम काल के तमिल कवियों ने किया है, इसका देश और विदेश के अन्य क्षेत्रों के साथ वाणिज्यिक संबंध था।
- कीलाडी स्थल से ऐसी कलाकारियां मिली हैं , जिनके बारे में माना जाता है कि ये छठी शताब्दी ईसा पूर्व और पहली शताब्दी ईसा पूर्व के बीच की अवधि की थीं।
- इस प्रकार कीलाडी की इन खुदाई और परत ने संगमरमर काल की समय-सीमा को पहली तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व की तुलना में लगभग 300 वर्ष पहले (580 ईसा पूर्व) निर्धारित कर दिया है।
- कीलाडी और सिंधु घाटी के अभिलेखों के शिल्पकारों में मिले हुए में भी समानता पाई गई है।

### अन्य प्रमुख तथ्य?

**तीन संगमों का आयोजन**

- पाण्ड्य राजाओं के संरक्षण में कुल में तीन संगमों (तमिल कवियों का समागम) का आयोजन किया गया -
- प्रथम संगम- मदुरै में आयोजित किया गया था, इसका कोई शास्त्र ग्रंथ उपलब्ध नहीं है।
- दूसरा संगम - कपाटपुरम् में आयोजित किया गया था, इस संगम में एकमात्र उपलब्ध ग्रंथ तोलकाप्पियम है।
- तीसरा संगम - मदुरै में आयोजित किया गया था, इस संगम के अधिकांश ग्रंथ नष्ट हो गए हैं।

- कीलाडी से मिट्टी के बर्तनों के ढेर, सोने के जेवर , ब्रेंजा के लेख , अर्ध-कीमती पत्थर , शंख की चूड़ियां , हाथी दांत की चूड़ियां और हाथी दांत की दांत की जंजीर, धुरी वोर्ल्स , ब्रेंज की सुई , टेराकोटा सील , सूत के लटकते पत्थर पत्थर आदि प्राप्त हुए हैं।

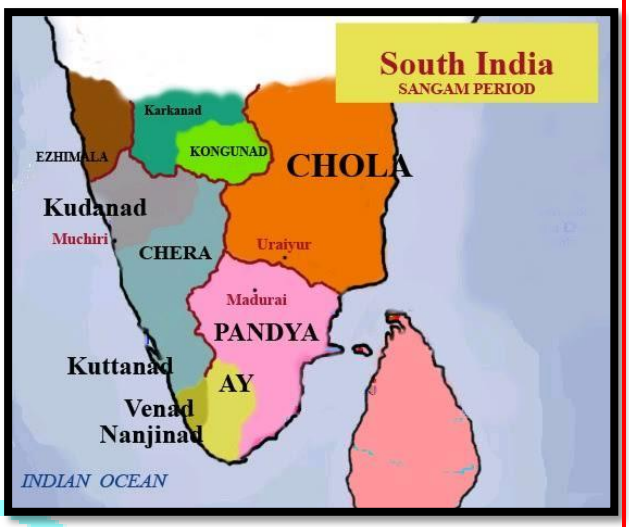


- संगम युग :-ऐतिहासिक युग के प्रारंभ में दक्षिण भारत का अस्पष्ट इतिहास हमें जिस साहित्य से ज्ञात होता है उसे संगम साहित्य कहा जाता है।
- संगम शब्द का अर्थ परिषद् या गोष्ठी होता है जिसमें तमिल कवि एवं विद्वान समेकन होते थे।
- प्रत्येक कवि या लेखक अपने वादे को संदेश के रूप में प्रस्तुत करता था तथा इसकी स्वीकृति हो जाने के बाद ही किसी रचना का प्रकाशन संभव था।
- समयावधि - दक्षिण भारत (कृष्णा एवं तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) में लगभग तीन सौ ईसा पूर्व से तीन सौ ईस्वी के बीच की अवधि को संगम काल के नाम से जाना जाता है।
- संगम युग के दौरान दक्षिण भारत में तीन राजवंशों- चेरों, चोलों और पाण्ड्यों का शासन था।
- संगम साहित्य मुख्य रूप से तमिल भाषा में लिखा गया है, संगम युग के प्रमुख चक्र में तोलकाप्पियम्, एत्तुत्तौके, पत्नतुप्पातु, पदिनेकिल्लकणक्कु इत्यादि ग्रंथ तथा शिलप्पादिकारम्, मणिमेखलै और जीवक चिंतामणिमणि शामिल हैं।
- उपलब्ध संगम साहित्य का विभाजन तीन भागों में किया जाता है -
  - पत्थुप्पात्तु
  - इत्थुथोकै
  - पादिनेन कीलकन्क्कु

## न्यूज फटाफट (चर्चित स्थल)

### अर्जेंटीना (राजधानी: ब्यूनस आयर्स)

- अर्जेंटीना की सरकार अपने उद्यमियों की सुविधा के लिए प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने में भारत से मदद लेना चाहती है।
- **राजनीतिक अवस्थिति और सीमाएं:**
  - यह दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी भाग में स्थित है।
  - यह दक्षिण और पश्चिम में चिली, उत्तर में बोलीविया एवं पैराग्वे तथा पूर्व में ब्राजील, उरुग्वे व अटलांटिक महासागर से घिरा हुआ है।
  - यह फ़ॉकलैंड द्वीप समूह के साथ अपनी समुद्री सीमा साझा करता है।

- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - यह मुख्यतः चार क्षेत्रों (एंडीज, नॉर्थ, पम्पास और पेटागोनिया) में विभाजित है।
  - **उच्चतम बिंदु**: माउंट एकांकागुआ।
  - **परानाना नदी:** अर्जेंटीना की सबसे लंबी नदी है।

## फिजी (राजधानी: सुवा)

- फिजी के उप-प्रधान मंत्री ने जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों को पूरा करने में भारत के साथ भागीदारी की आशा व्यक्त की है।
- फिजी मेलानेशिया में एक द्वीपीय राष्ट्र है। यह दक्षिणी प्रशांत महासागर में लगभग 330 द्वीपों का एक द्वीपसमूह है।
- यह हवाई और न्यूजीलैंड के बीच ओशिनिया में स्थित है।
- विती लेवु और वनुआ लेवु नामक दो प्रमुख द्वीप मिलकर फिजी के कुल भूभाग के 87% हिस्से का निर्माण करते हैं।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **उच्चतम बिंदु**: माउंट तोमनिवि। यह एक मृत ज्वालामुखी है।

## घृष्णेश्वर मंदिर

- यह मंदिर महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में देवगिरी किले और एलोरा की गुफाओं के निकट स्थित है।
- यह 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है और सबसे लघु ज्योतिर्लिंग भी है। यह भगवान शिव को समर्पित है। इसका उल्लेख शिव पुराण और पद्म पुराण में किया गया है। ० इस मंदिर का निर्माण एक इंटरलॉकिंग पैटर्न में लाल पत्थरों का उपयोग करके किया गया है। मंदिर के शीर्ष पर पांच-स्तरीय शिखर है।
- मंदिर की वर्तमान संरचना का निर्माण इंदौर की रानी अहिल्याबाई होल्कर ने 18वीं शताब्दी ईस्वी में करवाया था।

## एलोरा की गुफाएं

- एलोरा की गुफाएं छठी से दसवीं शताब्दी ईस्वी के मध्य निर्मित हैं। यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में चरणद्री पहाड़ियों में स्थित हैं।
- यूनेस्को ने इसे 1983 में विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया था। इस स्थल को हिंदू, बौद्ध और जैन मंदिरों तथा अन्य स्मारकों के लिए जाना जाता है
- यह 34 गुफाओं का एक समूह है। इनमें से 17 गुफाएं हिंदू धर्म से, 12 गुफाएं बौद्ध धर्म से और 5 गुफाएं जैन धर्म से संबंधित हैं।
- ये गुफाएं दुनिया की सबसे बड़ी एकाश्म शैलकृत मठ गुफा परिसरों में से एक हैं।

## न्यूजीलैंड ( राजधानी: वेलिंगटन)

- न्यूजीलैंड ने चक्रवात गैब्रिएल के कारण आई व्यापक बाढ़ और भूस्खलन की वजह से आपातकाल की घोषणा की है

- **राजनीतिक अवस्थिति और सीमाएं:**
  - यह दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है। यह पॉलिनेशिया का दक्षिण-पश्चिमी भाग है।
  - यह एक दूरस्थ भूमि है, जो अपने निकटतम पड़ोसी ऑस्ट्रेलिया से 1,600 कि.मी. दक्षिण - पूर्व में स्थित है।
  - कुक जलसंधि इसके दो मुख्य द्वीपों (उत्तर और दक्षिण द्वीपों) को विभाजित करती है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - यह 'रिंग ऑफ फायर (अग्नि मेखला ) का हिस्सा है। रिंग ऑफ फायर परि-प्रशांत भूकंपीय पट्टी है। यह क्षेत्र
  - सक्रिय भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है।
  - **सबसे लंबी नदी**: वाइकाटो।
  - **सर्वोच्च पर्वत शिखर**: माउंट कुक।

## फिनलैंड ( राजधानी: हेलसिंकी)

- भारत और फिनलैंड ने क्वांटम कंप्यूटिंग तथा परमाणु प्रौद्योगिकी सहित कई अत्याधुनिक तकनीकों में आपसी संबंधों का विस्तार करने की मंशा प्रकट की है।
- **राजनीतिक सीमाएं:**
  - यह उत्तरी यूरोप में स्थित एक नॉर्डिक देश है।
  - इसकी सीमा उत्तर में नॉर्वे, पूर्व में रूस, दक्षिण में फिनलैंड की खाड़ी,
  - दक्षिण-पश्चिम में बोथनिया की खाड़ी और उत्तर-पश्चिम में स्वीडन से लगती है।
  - फ़िनलैंड का जो हिस्सा आर्कटिक वृत्त के उत्तर में स्थित है, उसे अपलैंड फिनलैंड के नाम से जाना जाता है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **सबसे बड़ी झील**: साइमा। फ़िनलैंड एक हजार झीलों की भूमि के रूप में भी जाना जाता है।
  - **सबसे बड़ी नदी**: केमियोकी।
  - **सबसे ऊँची चोटी :** माउंट हाल्टी।

## साइप्रस (राजधानी: निकोसिया)

- निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स को साइप्रस का राष्ट्रपति चुना गया है।
- **राजनीतिक सीमाएं और अवस्थिति:**
  - यह भूमध्य सागर में सिसिली और सार्डिनिया के बाद तीसरा सबसे बड़ा द्वीप है।
  - यह भूमध्यसागर के उत्तर-पूर्वी भाग में, मिस्र से 300 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।
  - यह तुर्की के दक्षिण में, सीरिया के पश्चिम में और ग्रीस की मुख्य भूमि के दक्षिण - पूर्व में स्थित है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - इसकी तटरेखा लंबे रेतीले समुद्र तटों के साथ दंतुरित ( indented) और पथरीली है।

- **सबसे ऊँची चोटी :** माउंट ओलंपस।
- **सबसे लंबी नदी:** पेडिओस।

## पुर्तगाल (राजधानी लिस्बन)

- कैथोलिक चर्च में बाल दुर्व्यवहार के अध्ययन के लिए पुर्तगाली बिशपों ने एक स्वतंत्र समिति का गठन किया था। इस समिति ने यह सूचना दी है कि चर्च में 1950 से लेकर अब तक 4,800 से अधिक बच्चों के साथ दुर्व्यवहार हुआ है।
- पुर्तगाल एक दक्षिण पश्चिमी यूरोपीय देश है। इसका अधिकांश हिस्सा आइबेरियन प्रायद्वीप पर स्थित है।
- इसके अंतर्गत अटलांटिक महासागर में स्थित मैडिएरा और एजोरेस के छोटे द्वीपसमूह भी शामिल हैं।
- **राजनीतिक सीमाएं:** यह केवल स्पेन के साथ अपनी भूमि सीमा और केवल मोरक्को के साथ अपनी समुद्री सीमा साझा करता है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **उच्चतम बिंदु**: पिको ज्वालामुखी (एजोरेस के पिको द्वीप पर ) और सेरा दा एस्ट्रेला (मुख्य भूमि पर )। सबसे बड़ी नदीः टैगस (तेजो) नदी।

## मंगोलिया (राजधानी: उलानबटार )

- भारत - मंगोलिया संयुक्त कार्य समूह की 11वीं बैठक आयोजित की गई है।
- मंगोलिया को "लैंड ऑफ द इटरनल ब्लू स्काई" और "लैंड ऑफ हॉर्स" के रूप में भी जाना जाता है।
- **राजनीतिक सीमाएं:**
  - यह पूर्वी एशिया में अवस्थित एक भू- आबद्ध देश है। यह उत्तर रूस और दक्षिण में चीन से घिरा हुआ है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - भूभागः यहां विशाल अर्ध- मरुस्थलीय और मरुस्थलीय मैदान तथा घास भूमियां हैं। इसके पश्चिम व दक्षिण-पश्चिम भाग में पर्वत हैं तथा दक्षिण-मध्य भाग में गोबी मरुस्थल है।
  - **उच्चतम बिंदु**: नायरामैडलिन ऑर्गिल।
  - **सबसे लंबी नदी**: ओरखोन नदी।
  - **निम्नतम बिंदु:** होह नूर।